भारत सरकार
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय
स्वास्थ्य और परिवार कल्याण विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 3258
08 अगस्त, 2025 को पूछे जाने वाले प्रश्न का उत्तर

सिकल सेल मिशन 2047

3258. श्री जसवंतसिंह सुमनभाई भाभोरः

क्या स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) "सिकल सेल मिशन 2047" के अंतर्गत दाहोद जिले में कितने व्यक्तियों की जांच की गई है और कितने रोगियों की पहचान की गई है;

(ख) उक्त जिले के सिविल अस्पताल और अन्य स्वास्थ्य केंद्रों में सिकल सेल रोगियों के लिए सरकार द्वारा किस प्रकार की विशेष सुविधाएं प्रदान की जाती हैं; और

(ग) क्या देश में जनजातीय समुदाय में जागरूकता बढ़ाने के लिए कोई विशेष अभियान शुरू किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्रीमती अनुप्रिया पटेल)

(क) से (ग): गुजरात सरकार द्वारा दी गई सूचना के अनुसार, दिनांक 30.07.2025 तक की स्थिति के अनुसार, दाहोद जिले में कुल 20,33,471 व्यक्तियों की जाँच की गई है, जिनमें से 5,656 व्यक्तियों के रोगग्रस्त होने की पुष्टि की गई है।

राष्ट्रीय सिकल सेल एनीमिया उन्मूलन मिशन (एनएससीएईएम) के अंतर्गत, देश भर में जिला अस्पतालों से लेकर आयुष्मान आरोग्य मंदिर (एएएम) स्तर तक सभी स्वास्थ्य सुविधाकेंद्रों में जाँच की जाती है। एएएम के माध्यम से एससीडी से ग्रसित रोगियों को उनके जीवन-गुणवत्ता में सुधार हेतु निम्नलिखित सेवाएँ/सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं:

- नियमित अंतराल पर रोगग्रस्त व्यक्तियों को अनुवर्ती उपचार प्रदान करना।
- जीवनशैली प्रबंधन, विवाह-पूर्व और प्रसव-पूर्व निर्णयों के संबंध में परामर्श देना।
- फोलिक एसिड की गोलियों के वितरण के माध्यम से पोषण संबंधी पूरक सहायता देना।
- योग और आरोग्य सत्र आयोजित करना।
- गंभीर लक्षणों को नियंत्रित करना और उच्चतर स्वास्थ्य केंद्रों में रेफर करना।

दवा की उपलब्धता की समस्या के समाधान हेतु हाइड्रोक्सीयूरिया औषधि को राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) की अनिवार्य औषधि सूची में उप-स्वास्थ्य केंद्रों, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों (पीएचसी)/शहरी

पीएचसी, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों (सीएचसी) और जिला अस्पतालों में शामिल किया गया है। एनएचएम के अंतर्गत, सिकल सेल एनीमिया के रोगियों द्वारा वहन किए जाने वाले जेबी-खर्च को कम करने के लिए हाइड्रोक्सीयूरिया की खरीद हेतु वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है।

जनजातीय कार्य मंत्रालय के माध्यम से जागरूकता और परामर्श सामग्री तैयार की गई है। रोग, जाँच और प्रबंधन के बारे में जागरूकता प्रसार के लिए सूचना, संचार और मीडिया कार्यकलाप अपनाए जाते हैं। राज्य सरकारों को मिशन संबंधी कार्यकलापों के कार्यान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

*****